https://www.uokonline.com

This question paper contains 7 printed pages]

453

M.A. (Prev.) Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper-III

काव्य-2 (मध्यकालीन काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

*This question paper contains **three** sections as under :*

Section-A खण्ड 'अ' ***Max. Marks-10***

*This section contains **one** compulsory question with **10** parts. Answer of each part should not exceed **20** words. **All** questions carry equal marks.*

*इस खण्ड में **एक** अनिवार्य प्रश्न है जिसमें **10** भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग **20** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Section-B खण्ड 'ब' ***Max. Marks-50***

*This section contains **10** questions. Attempt **5** questions in all, selecting **one** question from each unit. Answer of each question should not exceed **250** words. **All** questions carry equal marks.*

*इस खण्ड में **10** प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **5** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Section-C खण्ड 'स' ***Max. Marks-40***

*This section contains **4** questions (questions may have **sub-divisions**). This **section** will cover **all units** but not more than **one** question from each unit. Question No. **12** (First Question of this Section) is compulsory. Attempt **1** question from the rest of **3** questions of this Section. Answer of each question should not exceed **500** words. All questions carry equal marks.*

*इस खण्ड में **4** प्रश्न हैं, प्रश्नों के उपभाग हो सकते हैं। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम **एक** प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या **12** (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष **3** प्रश्नों में से **1** प्रश्न का उत्तर दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **500** शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

https://www.uokonline.com

https://www.uokonline.com

खण्ड-अ

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) सूरदास के भ्रमर गीत का उद्देश्य क्या है ? (1)

(*ii*) ऊधौ ! कोकिल कूजत कानन।

तुम हमको उपदेश करत हौ, भस्म लगावन आनन। (1)

उक्त पंक्तियों में गोपियाँ क्या कहना चाह रही हैं ?

(*iii*) उत्तरकाण्ड में तुलसी ने किसका विशद वर्णन किया है ? (1)

(*iv*) उत्तरकाण्ड किस ग्रंथ का अंग है ? ग्रंथ का नाम बताइये। (1)

(*v*) ग्यान अखण्ड एक सीतावर, माया बस्य जीव सचराचर॥

इस पंक्ति का मूल भाव क्या है ?

(*vi*) "सुपणा मां म्हारै परण गया पायां अचल सोहाग।" (1)

उक्त पंक्ति में मीरा क्या कहना चाह रही है ?

(*vii*) मीरा की भक्ति में किस भाव की प्रधानता है ?

(*viii*) घनानंद के अनुसार प्रेम का मार्ग कैसा है ?

(*ix*) "जानराय, जानत सबै, अंतरगत की बात"—पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*x*) बिहारी ने प्रमुख रूप से किन छन्दों में लिखा है ?

https://www.uokonline.com

https://www.uokonline.com

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : (8)

ऊधौ ! कौन आहि अधिकारी ?

लै न जाहु यह जोग आपनो कत तुम होत दुखारी ?

यह तो वेद उपनिषद मत है महापुरुष ब्रतधारी

हम अहीरि अबला ब्रजबासिनि नाहिंन परत संभारी॥

को है सुनत, कहत हौ कासों, कौन कथा; अनुसारी ?

सूर-स्याम-संग जात भयो मन अहि केंचुलि सी डारी॥

3. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

ऊधौ ! हम लायक सिख दीजै।

यह उपदेसु अगिनि ते तातो, कहो कौन विधि कीजै ?

तुमहीं कहौ यहाँ इतनिन में सीखनहारी को है ?

जोगी जती रहित माया तें तिनको यह मत सोहै॥

जो कपूर चंदन तन लेपत तेहि बिभूति क्यों छाजै ?

सूर कहौ सोभा क्यों पावे आँख आँधरी बाजै॥

https://www.uokonline.com

इकाई-II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (5)

संत असंत भेद बिलगाई। प्रनत पाल मोहि कहहु बुझाई।
संतन के लच्छन सुनु भ्राता। अगनित श्रुति पुरान बिख्याता।
संत असंतन्हि कै असि करनी। जिमि कुठार चंदन आचरनी।
काटइ आसु भलय सुनु भाई। निज गुन देई सुगंध नसाई।
ताते सुर सीसन चढ़त जग बल्लभ श्रीखण्ड।
अनल दाहि पीटल धनहि परसु बदन यह दण्ड।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जो माया सब जगहि नचावा। जासु चरित लखि काहू न पावा।
सोइ प्रभु भ्रू विलास खगराजा। नाच नटी इव सहित समाजा।
सोइ सच्चिदानन्द घनरामा। अज विज्ञान रूप बल धामा।
व्यापक व्याप्त अखंड अनन्ता। अखिल अमोघ सक्ति भगवन्ता।
अगुन अदम गिरागोतीता। सम दरसी अदवद्य अजीता।
निर्मम निराकार निर्मोहा। नित्य निरंजन सुख सन्दोहा।

इकाई-III

6. कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु हीं सों बात॥

पाइ महावरु दैन कौं नाइनि बैठी आइ।
फिरि-फिरि जानि महावरी, एड़ी मीड़ति जाइ॥

7. डारी सारी नील की, ओट अचूक, चुकैं न।
मो-मन-मृगु करबर गहैं, अहे अहेरी नैन॥
बैठि रही अति सघन बन, पैंठि सदन-तन मांह।
देखि दुपहरी जेठ की, छांहौं चाहति छाँह॥

इकाई-IV

8. मीरांबाई के जीवन-वृत्त पर प्रामाणिकता के साथ प्रकाश डालिए, साथ ही उनके कृतित्व का भी आकलन कीजिए।

9. मीरां के जीवन दर्शन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। (10)

इकाई-V

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (5)

'झलकैं अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलनि में छवि-फूलन की वरषा, उर-ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करैं, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठैं दुति की, परिहै मनौं रूप अबै धर च्वै।

https://www.uokonline.com

11. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''भोर ते साँझ लौं कानन-ओर निहारति बावरी नेकु न हारति।
साँझ ते भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति॥
जौ कहूँ भावतों दीढि परै घन आनन्द आँसुनि औसर गारति।
मोहत सोंहन जोहन की लगियै रहै आंखिन में उर आरित॥

खण्ड-स

12. ''सूर साहित्य में प्रकृति का विशेष स्थान है।'' इस उक्ति के सन्दर्भ में सूर साहित्य की समीक्षा कीजिए। (10)

13. उत्तरकाण्ड के आधार पर काकभुशुण्डि-गरुड़ संवाद का सार प्रस्तुत कीजिए। (10)

14. घनानन्द प्रेम के पपीहे हैं - इस कथन की विवेचना कीजिए।

15. बिहारी सतसई की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

https://www.uokonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.uokonline.com
https://www.uokonline.com
https://pyqlelo.com